राजस्थान को कोयला आपूर्ति

चर्चा में क्यों?

राजस्थान को 400,000 मीट्रिक टन कोयला मिलने वाला है, जो छत्तीसगढ़ के वाशिंग प्लांटों में फँसा हुआ था।

इस आने वाले **कोयले की खदान से राज्य के विद्युत घरों के लिये आपूर्ति बढ़ेगी,** जिससे निवासियों को पर्याप्त विद्युत की गारंटी मिलेगी।

मुख्य बिंदु:

- वर्तमान में **राज्य के सभी 23 विद्युत संयंत्र** सक्रिय हैं, उन्हें 25 रेक आपूर्ति प्राप्त हो रही है तथा 7 दिन का अग्रिम स्टॉक रखा गया है।
- अतिरिक्त 4 लाख मीट्रिक टन से यह स्टॉक 4 दिन के लिये बढ़ जाएगा, क्योंकि थर्मल प्लांटों को कार्य करने के लिये प्रतिदिन 1 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता होती है।
- छत्तीसगढ़ के कोरबा में **आर्यन कोल बेनेफिसिएशन इंडिया लिमिटेड (Aryan Coal Beneficiation India Limited- ACBEL)** को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा पाँच साल के लिये **साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (South Eastern Coalfields Limited- SECL)** की खदान से सूरतगढ़ और छबड़ा ताप विद्युत संयंत्रों को कोयला उपलब्ध कराने का अनुबंध दिया गया था।
    - हालाँकि जुलाई 2022 में **छत्तीसगढ़ के राज्य कर (GST) विभाग**, खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पर्यावरण विभाग के संयुक्त प्रयास से ACBEL की वाशिंग सुविधाएँ प्रतिबंधित कर दी गईं, जिससे राजस्थान का लगभग 4 लाख मीट्रिक टन कोयला वाशिंग सुविधाओं में फँस गया।

सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट

- सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन **राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर स्टेशन है।**
- यह **गंगानगर ज़िले** के सूरतगढ़ शहर से 27 किमी. दूर स्थित है। इस विद्युत संयंत्र का संचालन **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUNL)** द्वारा किया जाता है।
- इस विद्युत संयंत्र में **6 इकाइयाँ हैं** जो **250 मेगावाट** विद्युत का उत्पादन कर सकती हैं और **2 इकाइयाँ 660 मेगावाट** विद्युत का उत्पादन कर सकती हैं।

छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट

- छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट **राजस्थान के कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में से एक है**
- यह राजस्थान के **बारां ज़िले** में स्थित है।
- इस विद्युत संयंत्र की नियोजित क्षमता **2320 मेगावाट** है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/coal-supply-to-rajasthan